भारतीय शिक्षा बोर्ड
आदर्श कार्य पत्रक – प्रथम इकाई
हिंदी – कक्षा 6
सत्र 2026-27

निर्धारित समय : 1 घंटा **अधिकतम अंक : 20**

निर्देश :

- **प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।**
- **प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट का समय दिया जाएगा। इस दौरान छात्र केवल प्रश्न पत्र पढ़ेंगे।**
- **इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खंड हैं।**
- **खंड क में 1 प्रश्न है, जिसकी प्रश्न संख्या 1 है, प्रश्न संख्या 1 में 5 उप प्रश्न हैं, प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।**
- **खंड ख में कुल 5 प्रश्न है, जिनकी प्रश्न संख्या 2 से 6 तक है, प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।**
- **खंड ग में 2 प्रश्न हैं, जिनकी प्रश्न संख्या 7 एवं 8 है, प्रश्न सख्या 7 के लिए 4 अंक निर्धारित किये गये हैं एवं प्रश्न संख्या 8 के लिए 6 अंक निर्धारित किये गये हैं।**

खंड-क (अपठित गद्यांश)

वर्तमान जलवायु परिवर्तन में वैश्विक औसत तापमान में निरंतर वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) और पृथ्वी की जलवायु प्रणाली पर इसके व्यापक प्रभाव दोनों शामिल हैं। व्यापक अर्थ में जलवायु परिवर्तन में पृथ्वी की जलवायु में पहले हुए दीर्घकालिक परिवर्तन भी शामिल हैं। वैश्विक तापमान में आधुनिक वृद्धि मानव गतिविधियों , विशेष रूप से औद्योगिक क्रांति के बाद से जीवाश्म ईंधन (कोयला , तेल और प्राकृतिक गैस) के जलने के कारण हो रही है। जीवाश्म ईंधन का उपयोग, वनों की कटाई और कुछ कृषि एवं औद्योगिक पद्धतियाँ ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करती हैं। ये गैसें सूर्य के प्रकाश से गर्म होने के बाद पृथ्वी द्वारा विकीर्ण ऊष्मा के कुछ भाग को अवशोषित कर लेती हैं , जिससे निचला वायुमंडल गर्म हो जाता है। पृथ्वी के वायुमंडल में अब कार्बन डाइऑक्साइड (ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण) की मात्रा पूर्व-औद्योगिक युग के अंत की तुलना में लगभग 50% अधिक है, जो लाखों वर्षों में नहीं देखी गई थी।

जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण पर बढ़ता प्रभाव पड़ रहा है। रेगिस्तान फैल रहे हैं , जबकि लू और जंगल की आग अधिक आम होती जा रही है। आर्कटिक में बढ़ते तापमान ने पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने , ग्लेशियरों के पीछे हटने और समुद्री बर्फ में कमी लाने में योगदान दिया है। उच्च तापमान के कारण अधिक तीव्र तूफान , सूखा और अन्य चरम मौसमी घटनाएं भी हो रही हैं। पहाड़ों , प्रवाल भित्तियों और आर्कटिक में तेजी से हो रहे

पर्यावरणीय परिवर्तन के कारण कई प्रजातियों को अपना स्थान बदलना पड़ रहा है या वे विलुप्त हो रही हैं। भविष्य में तापमान वृद्धि को कम करने के प्रयास सफल होने पर भी, कुछ प्रभाव सदियों तक बने रहेंगे। इनमें महासागरों का गर्म होना , महासागरों का अम्लीकरण और समुद्र स्तर में वृद्धि शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन से लोगों को बाढ़, अत्यधिक गर्मी, भोजन और पानी की कमी, बीमारियों और आर्थिक नुकसान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मानव प्रवास और संघर्ष भी इसका परिणाम हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन जलवायु परिवर्तन को 21वीं सदी में वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक मानता है। ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए कार्रवाई न करने पर समाज और पारिस्थितिकी तंत्र को और भी गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ेगा। बाढ़ नियंत्रण उपायों या सूखा प्रतिरोधी फसलों जैसे प्रयासों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन से जलवायु परिवर्तन के जोखिम आंशिक रूप से कम हो जाते हैं, हालांकि अनुकूलन की कुछ सीमाएँ पहले ही पहुँच चुकी हैं। गरीब समुदाय वैश्विक उत्सर्जन के एक छोटे हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं , फिर भी उनमें अनुकूलन की सबसे कम क्षमता है और वे जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

21वीं सदी के पहले दशकों में जलवायु परिवर्तन के कई प्रभाव देखे गए हैं, जिनमें 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है, जो 1850 में नियमित निगरानी शुरू होने के बाद से +1.60 °C (2.88 °F) अधिक है। अतिरिक्त तापमान वृद्धि इन प्रभावों को बढ़ाएगी और ग्रीनलैंड की पूरी बर्फ की चादर के पिघलने जैसे टिपिंग पॉइंट्स को ट्रिगर कर सकती है। 2015 के पेरिस समझौते के तहत , देशों ने सामूहिक रूप से तापमान वृद्धि को "2 °C से काफी नीचे" रखने पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, समझौते के तहत किए गए वादों के साथ , सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि लगभग 2.8 °C (5.0 °F) तक पहुंच जाएगी।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई के लिए विश्व भर में व्यापक समर्थन है और अधिकांश देशों का लक्ष्य कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोकना है। जीवाश्म ईंधनों पर सब्सिडी बंद करके , ऊर्जा संरक्षण करके और ऐसे ऊर्जा स्रोतों की ओर रुख करके, जो महत्वपूर्ण कार्बन प्रदूषण उत्पन्न नहीं करते , उन्हें चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जा सकता है। इन ऊर्जा स्रोतों में पवन , सौर , जल और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। स्वच्छ रूप से उत्पादित बिजली परिवहन को चलाने , इमारतों को गर्म करने और औद्योगिक प्रक्रियाओं को चलाने के लिए जीवाश्म ईंधनों का स्थान ले सकती है। उदाहरण के लिए, वन आवरण बढ़ाकर और मिट्टी में कार्बन संग्रहित करने वाली विधियों से खेती करके वायुमंडल से कार्बन को हटाया जा सकता है।

यहाँ दिए गए गद्यांश के आधार पर 5 बहुविकल्पीय प्रश्न प्रस्तुत हैं—

प्रश्न 1. वैश्विक तापमान में आधुनिक वृद्धि का मुख्य कारण क्या है? **(1)**

(A) प्राकृतिक आपदाएँ
(B) मानव गतिविधियाँ
(C) ज्वालामुखी विस्फोट
(D) समुद्री धाराएँ
उत्तर: (B) मानव गतिविधियाँ

प्रश्न 2. ग्रीनहाउस गैसें क्या करती हैं? (1)
(A) सूर्य के प्रकाश को रोकती हैं
(B) पृथ्वी को ठंडा करती हैं
(C) पृथ्वी द्वारा विकीर्ण ऊष्मा को अवशोषित करती हैं
(D) वर्षा को कम करती हैं
उत्तर: (C) पृथ्वी द्वारा विकीर्ण ऊष्मा को अवशोषित करती हैं

प्रश्न 3. जलवायु परिवर्तन का कौन-सा प्रभाव गद्यांश में बताया गया है? (1)
(A) पर्वतों की ऊँचाई बढ़ना
(B) समुद्र का सिकुड़ना
(C) ग्लेशियरों का पीछे हटना
(D) जंगलों की संख्या बढ़ना
उत्तर: (C) ग्लेशियरों का पीछे हटना
प्रश्न 4. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जलवायु परिवर्तन क्या है? (1)
(A) एक सामान्य समस्या
(B) कृषि समस्या
(C) वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक
(D) केवल पर्यावरणीय समस्या
उत्तर: (C) वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक
प्रश्न 5. पेरिस समझौते का मुख्य उद्देश्य क्या है? (1)
(A) औद्योगिक विकास बढ़ाना
(B) तापमान वृद्धि को 2°C से काफी नीचे रखना
(C) वन क्षेत्र कम करना
(D) ऊर्जा खपत बढ़ाना
उत्तर: (B) तापमान वृद्धि को 2°C से काफी नीचे रखना

खंड-ख (व्याकरण)

प्रश्न 2: निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - (1)

क) नाक में दम करना

प्रश्न 3: निम्नलिखित शब्द का तत्सम रूप लिखिए - **(1)**

क) आग

प्रश्न 4: निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए - **(1)**

क) सूर्य

प्रश्न 5: दिए गए प्रत्यय से दो नए शब्द बनाकर लिखिए - **(1)**

क) ता -

प्रश्न 6: दिए गए शब्द का शुद्ध रूप लिखिए - **(1)**

क) विधालय -

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7: निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(4)**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप, आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।

अतीव भाग्यहीन है, अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

(i) प्रस्तुत कविता के रचयिता का नाम लिखिए |

(ii) कवि के अनुसार सच्चा मनुष्य किसे कहा गया है?

(iii)"मरो परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी" — इस पंक्ति का क्या आशय है?

(iv) कविता में किन-किन महान व्यक्तियों (जैसे रतिदेव, दधीचि, कर्ण) का उदाहरण दिया गया है और क्यों?

(v) "मनुष्य मात्र बंधु है" — इस विचार का क्या महत्व है?

(vi) इस कविता का मुख्य संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 8: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30-35 शब्दों में लिखिए। (6)

(क) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गरम दल और नरम दल नाम से दो संगठन थे। 'राम प्रसाद बिस्मिल' गरम दल के नेता थे। पता कीजिए कि गरम दल के प्रमुख नेता कौन-कौन थे तथा उनके द्वारा किए गए कुछ कार्यों को अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(ख) भारत सरकार ने 'योग' को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं, इन कार्यक्रमों के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए तथा अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(ग) महात्मा बुद्ध ने कहा है कि– 'मारनेवाले से बचानेवाला बड़ा होता है। इस कथन से आप कितने सहमत या असहमत हैं, लिखिए।